Nai Dunia (Indore), 12th May 2021, Page-1

# प्रोटीन इंजीनियरिंग से बनाई कैंसर की दवा

इंदौर(नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय तकनीकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर को अपने दो महत्वपूर्ण शोध के लिए पेटेंट प्राप्त हुआ है। पहला पेटेंट आइआइटी इंदौर के बायोसाइंस और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर डा. अविनाश सोनावणे ने दर्ज कराया है। डा. सोनावणे ने रक्त कैंसर के उपचार में काम आने वाले ऐस्पैरजाइनेस ड्रग की जगह एम-एएसपीएआर नाम से नया ड्रग बनाया है। इस ड्रग के साइड इफेक्ट काफी कम रहेंगे।

इसे प्रोटीन इंजीनियरिंग टेक्नोलाजी का सहारा लेकर बनाया गया है। ऐस्पैरजाइनेस ड्रग चीन, यूरोप, अमेरिका और कई देशों से भारत में कैंसर के मरीजों के इलाज के लिए मंगाया जाता है। इससे एलर्जी रिएक्शन, लिवर और शरीर के अन्य अंगों पर गलत प्रभाव देखने को मिला है। आइआइटी इंदौर ने इसकी जगह एम-एएसपीएआर से ड्रग बनाया है। पेटेंट मिलने के बाद इसके ट्रायल के लिए ग्रांट मिल चुकी है। अब मुंबई के टाटा कैंसर अस्पताल और अन्य संस्थानों के साथ मिलकर फेज एक और फेज दो का ट्रायल होगा। डा. सोनावणे का कहना है कि बाजार में आने के बाद यह अन्य देशों से मंगाए जाने वाले ड्रग की तुलना में सस्ता और लंबे समय तक शरीर में काम करने वाला ड्रग होगा। इससे ब्लड कैंसर के उपचार के खर्च में भी कमी आएगी। संस्थान को 11 साल के शोध के बाद यह सफलता मिली है।

## इंदौर आइआइटी की उपलब्धि

**ब्लड कैंसर की दवा को बनाने और कैमरे की डिवाइस की गति बढ़ाने के लिए मिले दो पेटेंट**

## कैमरे की गति पांच गुना बढ़ सकेगी

आइआइटी इंदौर के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के प्रोफेसर डा. अनिर्बन सेनगुप्ता ने कैमरे की गति पांच गुना तक बढ़ाने में सफलता पाई है। प्रो. सेनगुप्ता का कहना है कि पहली बार बैक्टीरिया फोर्जिंग आप्टिमाइजेशन मैकेनिज्म पर काम करके इसका उपयोग डिजिटल कैमरे को संचालित करने वाली चिप में किया गया। पहली बार इस तरह का शोध हुआ है जिसमें बैक्टीरिया का उपयोग किसी इलेक्ट्रानिक डिवाइस में किया जा रहा है। मोबाइल फोन और अन्य डिवाइस जिसमें कैमरा होता है उसमें लगने वाली चिप में इसका उपयोग कर सकेंगे। खास बात यह है कि कैमरे से फोटो या वीडियो लेते समय बैटरी भी पांच से दस गुना कम खर्च होगी। इसका पेटेंट ग्रांट होने के बाद अब इस अल्गोरिदम का उपयोग किसी मोबाइल कैमरा डिवाइस या अन्य जगह पर किया जाएगा। भारत में चिप की गति पर काम होने से इसकी लागत भी कम आएगी।